

# सरकारी गजट, उत्तरांचल

# उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

# रुड़की

खण्ड-7] रुड़की, शनिवार, दिनांक 18 फरवरी, 2006 ई0 (माघ 29, 1927 शक सम्वत्)

सिख्या-07

## विषय-सूची

प्रत्येक गांग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं. जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विशय	पृष्ठ संख्या	वार्थिक चन्दा
		40
सम्पूर्ण गजटका मूल्य	-	3075
भाग 1—विश्वप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस		
माग 1-क-नियम, कार्य विधियां, आझाएं, विझप्तियां इत्यादि जिनको उत्तरांचल के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विमागों के	53-80	1500
अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया भाग 2—आझाएं विज्ञान्तिया, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय	25-27	1500
सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विद्यप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरम		
भाग 3-स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा	94	975
पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया		
भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तरांचल	-	975
माग 5-एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तरांचल	_	975
माग 6—बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों		975
की रिपोर्ट	- 1	975
माग 7इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विद्वप्तियां		
माग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि		975
		975
स्टोर्स पर्वेज-स्टोर्स पर्वेज विमाग का क्रोह-पत्र आदि	_	1425

#### माग 1

विज्ञापा-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

## सिंचाई विभाग

## सेवानिवृत्ति विञ्जप्ति

02 जनवरी, 2006 ई0

संख्या 3819/II-05-01(46)/2005-एतद्द्वारा यह विज्ञापित किया जाता है कि उत्तरांचल प्रदेश अभियन्ता सेवा (सिचाई विभाग) श्रेणी "क" (सिविल) एवं (यांत्रिक) एवं श्रेणी "ख" के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकारी निम्न विवरणानुसार उनके नाम के सम्मुख अंकित तिथि को 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण करने के उपचन्त सेवानिगृत हो जायेंगै:-

श्रेणी "क" (सिविल)

क्रां व	अधिकारी का नाम	पदनाभ	जन्मतिथि	सेवानिवृत्ति की तिथि	अभ्युविता
1.	श्री व दल नैन विरमानी	अधिशासी अभियन्ता	04.02.46	28.02.06	उत्तरां बल विकल्पधारी
2.	श्री राजेन्द्र कुमार जैन	अधीक्षण अभियन्ता	06.03.46	31,03,06	उत्तराचल <b>काडर</b>
3,	श्री मलखान सिंह वर्गा	अधीक्षण अमिवन्ता	31.07.46	31,07,06	उत्तरांचल विकल्पधारी
4.	श्री अशोक कुमार राठी	अधीक्षण अभियन्ता	24,08.46	31.08.08	उत्तरांचल <b>काडर</b>
5,	श्री शिवदत्तं	मुख्य अभियन्ता (स्तर-2)	15.09.46	30,09,08	उत्तरांचल विकल्पधारी
6.	श्री हर विलास चन्द्र पाठक	मुख्य अगियन्ता (स्तर2)	08.10,46	31,10.06	उत्तरांचल काडर
7.	श्री नरेन्द्र सिंह	अधीक्षण अभियन्ता	08.10.46	31.10.06	स्तरांचल कार्डर

#### श्रेणी "क" (यांत्रिक)

क्र0सं0		अधिकारी का नाम	पदनाम	जन्मतिथि	सेवानिवृत्ति की तिथि	अभ्युवित
1,	<b>ક</b> ી	राम कुमार	अधिशासी अभिवन्ता	02.05.46	31,05,06	उत्तरां वल दिकल्पधारी
2	अी	विनय प्रकाश	ঝধীমাল <b>अ</b> भियन्ता	31.05.46	31.05.08	उत्तरां बल विकल्पधारी

#### श्रेणी "ख"

क्र०सं०	अधिकारी का नाम	पदनाम	जन्मतिथि	सेवानिवृत्ति की तिथि	अध्युवित
1,	श्री सुलेख चन्द्र गुप्ता	सहायक अभियन्ता	08.04.46	30,04,06	चलरांचल विकल्पधारी
2.	श्री केशव दत्त पुरोहित	सहायक वाभियन्ता	18,04.46	30,04.06	चत्तरां वंत काहर

क्र०सं०		अधिकारी का नाम	पदनाम	जन्मतिथि	सेवानिवृत्ति की तिथि	55 अभ्युक्ति
3.	श्री	राजेन्द्र प्रसाद रघुवंशी	सहायक अभियन्त्रा	20,07,46	31.07.06	उत्तरांचल काढर
4,	স্গী	नन्दन सिंह स्योत्री विश्व	सहायक अभियन्ता	15,08,46	31.08.06	चत्तराँचल काडर
5.	श्री	राम चन्द्र राठौर	सहा० अनुसंघान अधिकारी	10.01.46	31.01,06	स्थानीय काडर
6.	গ্ৰী	इन्दु भोहन गुसाई	सहा० अनुसंधान अधिकारी	05.02.46	28,02.06	स्थानीय काडर
7.	গ্ৰী	सुगति लाल जैन	सहा० अनुसंधान अधिकारी	13.03.46	31,03.06	स्थानीय काङर
8.	গ্রী	राजवीर सिंह	सहा० अनुसंधान अधिकारी	20,12.46	31.12,06	स्थानीय काडर

एन० रवि शंकर, सचिव।

### न्याय अनुमाग-1 अधिसूचना नियुक्ति 25 जनवरी, 2006 ई0

संख्या 1-नोo-(सीo)/XXXVI(!)/2006-नोटरी अधिनियम, 1952 (अधिनियम संख्या 53, सन् 1952) की धारा 3 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके महामहिन राज्यपाल श्री त्रिमुबन सिंह, अधिवक्ता को दिनांक 24-01-2006 से पांच वर्ष की अवधि के निए जिला मुख्यालय उत्तरकाशी के साध-साध तहसील बढ़कोट के लिए नोटरी नियुक्त करते हैं और नोटरीज रुल्स, 1956 के नियम 8 के उपनियम (4) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके यह भी निदेश देते हैं कि श्री त्रिमुबन सिंह का नाम उक्त अधिनियम की घारा 4 के अधीन रखे गये नोटरी पंजिका में प्रविद्धि कर ली जाय।

आज्ञा से.

यू0 सी0 घ्यानी, सचिव एवं विधि परामर्शी।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 1-No-(C)/XXXVI(I)/2006, dated January 25, 2006 for general information:

#### NOTIFICATION

Appointment

January 25, 2006

No. 1-No-(C)/XXXVI(I)/2006—In exercise of the powers under section 3 of the Notaries Act, 1952 (Act no. 53 of 1952), the Governor is pleased to appoint Sri Tribhuvan Singh, Advocate as Notary for a period of five years with effect from 24-01-2006 for District Headquarter Uttarkashi including Tehsil Barkot and in exercise of the powers under sub-rule (4) of Rule 8 of Notaries Rules, 1956 also directs that the name of Sri Tribhuvan Singh be entered in the register of Notaries maintained under section 4 of the said Act.

By Order

U.C. DHYANI, Secretary & L.R.

सं0 1608/VIII/58-प्रशि0/2005

प्रेषक.

सोहन लाल, अपर सचिव, उत्तराचल शासन।

सेवा में.

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनाक 09 जनवरी, 2006 ई0

विषय :- वितीय वर्ष 2005-06 में वाराकोट, जिला चम्पावत में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

भहोदय.

उपरोवत विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद चम्पादत के वाराकोट में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय कटिंग एण्ड स्मीइंग, आशुलिपि हिन्दी (कम्प्यूटर सहित), विधुतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आघार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्मत होने की तिथि अथवा पद को मरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्थ स्वीकृति प्रदान करते हैं:—

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, वाराकोट, जिला चम्पावत हेतु पदो का विवरण

क्रा	पदों का नाम	स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या	वैतनमान
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6,500-10,500
2.	ध्यवसाय अनुदेशक	03	5,000—8,000
3.	बन्देशक सामाजिक अध्ययन	01	6,000—8,000
4.	जनुदेशक कला/गणित	01	5,000-8,000
5.	सहायक भण्डारी	01	4,000-8,000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	4,000-6,000
7.	मण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2,610-3,640
8.	चपरासी	01	2,550-3,200
9.	चीकीदार	02	2,550-3,200
10.	स्वच्छकार	01	2,550-3,200
	योग :	14	

२-- रक्त पद के घारकों को उक्त पद के वेतन के साध-साध शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेश के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

क्र०सं०	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1_	कटिंग एण्ड स्वीइंग	01	16
2.	आशुलिपि हिन्दी (कम्प्यूटर सहित)	O f	16
3.	विद्युतकार	01	16

3—सक्त संस्थान के अनादर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चें हेतु निम्नलिखित विदरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

बजट व्यवस्थाः :		धनराशि हजार रुपयों में	
क्रo संo	मद का नाम	व्यावश्यक घनसारी	
1.	01—वेतन	. 01	
2.	03-मंहगाई मसा	01	
3.	04-यात्रा मत्ता	01	
4.	08—अन्व मते	. 01	
5.	08-कार्यालय व्यव	50	
6.	on—विद्युत देव	50	
7.	10-जसकर/जल एमार	01	
8.	11-लेखन सामग्री	12	
9.	12-कार्यालय फर्नीचर/सपकरण	01	
10.	13-किशया उपशुल्क	01	
11.	21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन	10	
12.	28-मशीने साज-सज्जा/सपकरण	1200	
13.	42-अन्य व्यव	70	
14.	48—मंहगाई वेतन	01	
	योग:	1400	

4- उक्त घनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शतों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आविटत सीमा तक ही व्यथ सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि घनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यथ को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुजल या वित्तीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का चल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यव में गितव्ययता नितान्त आवश्यक है, भितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय सन्हीं भदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5—व्यय करते समय स्टॉर परचेज कल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों एवं शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक गियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेंड के एनक्सीववीवटीव के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7—उक्त व्यय चालू वितीय वर्ष 2005—06 हेतु अनुदान संख्या 16, मुख्य लेखाशीर्षक—2230—श्रम तथा रोजगार, 03—प्रशिक्षण, आयोजनायत, 003—दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनायत—00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मर्दों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूओ 02/वि0अनु0-5, दिनांक 03.01.2006 के अन्तर्गत प्राप्त सनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

₹10 1610 / VIII / 60—प्रशि0 / 2005

प्रेषक.

सोहन तात. अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, जत्तरांचल, इल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विमाग

देहरादून : दिनांक 12 जनवरी, 2006 ई0

विषय :- वितीय वर्ष 2005-06 में मोरी, जनपद उत्तरकाशी में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय.

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में गुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद उत्तरकाशी के मोरी में राजकीय आँद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय कटिंग एण्ड स्वीइंग, आशुलिपि हिन्दी, वायरमैन हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अधवा पद को भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2008 तक के लिए बशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की वी राज्यपाल महोदय सहथं स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मोरी, जिला उत्तरकाशी हेतु पदों का विवरण

झ०संव	पर्दों का नाम	स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या	वैतनमान
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	8,500-10,500
2.	व्यवसाव अनुदेशक	03	5,000-8,000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5,000-8,000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	6,000,8-000,3
-60	सहायक मण्डारी	01	4,000—8,000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	4,000-8,000
7.	भण्डार/कार्यशाला परिवर	02	2,610-3,540
В.	चपरासी	01	2,650-3,200
9.	<b>जीकीदार</b>	02	2,550-3,200
10.	स्विकार	01	2,550-3,200
	योग :	14	p vite and C

<sup>2-</sup>सका पद के घारकों को सकत पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं जन्म भत्ते आदि भी देव होंगे।

7 ( 1 22 132 144 1340)			and and
क्र०स०	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1	कंटिंग एण्ड स्वीइंग	01	
2.	आशुलिपि हिन्दी	01	16
3.	वायरभैन		16
	******	01	16

3--उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चें हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14.00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की घनराशि को व्यय किये जाने की जी राज्यपाल सहर्थ स्वीकृति प्रदान करते हैं :--

केंग्र संव	THE REAL PROPERTY.	धनराशि हजार रूपयों में
	मद का नाम	आवश्यक घनराशि
1.	01वेतन	01
2,	03-मंहराई मत्ता	THE OI FRANCE TO Y
3.	04-यात्रा यसा	0.1
4.	08—अन्य भरो	01
5.	08-कार्यालय व्यव	50
6.	09-विद्युत देव	50
7.	10-जलकर/जल प्रमार	O1 DESCRIPTION
8.	11-लेखन सामग्री	125
9.	12-कार्यातय फर्नीचर/उपकरण	01
10,	13-किराया उपशुल्क	01
11.	21-धात्रवृति/धात्र वेतन	10
12.	26-मशीने साज-सज्जा/सपकरण	
13.	42-जन्म व्यय	70
14.	48—मंहगाई वेतन	01
	योग:	1400

4—उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंदित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंदन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुबल या वित्तीय हस्त—पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंधन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व समय अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय—समय पर जारी शासनादेशों /अन्य आदेशों का अनुपालन कहाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय सन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते रामय स्टोर पश्चेज रूल्स, ढीजीएस एण्ड डी की दरों एवं शताँ, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एग०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण चपयोग कर लिया जायेगा।

7-चक्त व्यथ चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 16, मुख्य लेखाशीर्षक-2230-श्रम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे ढाला जायेगा।

8-यह आदेश वित्त विमाग के अशासकीय संख्या यूओ 15/वि०अनु०-5, दिनांक 04.01.06 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

सं0 1612/VIII/62-प्रशि0/2005

प्रेषक.

सोहन लाल, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, चत्तवंचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विमाग

देहरादून । दिनांक 09 जनवरी, 2006 ई0

विषय :- वित्तीय वर्ष 2005-06 में जसपुर, जनपद ऊधमसिंह नगर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की रधापना करने हेतु।

महोदय,

जपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद ऊघमसिंह नगर के जसपुर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय फिटर, विद्युतकार, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आघार पर मानक के अनुसार कुल 14 अख्याई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्मत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनाक 28.02.2008 तक के लिए बशर्ते की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहबं स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जसपुर, जिला ऊघमसिंह नगर हेतु पदों का विवरण

क्र0स0	पदों का नाम	स्वीकृत किए जाने याले पदाँ की संख्या	वेरानगान
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6,500-10,600
2.	व्यवसाय अनुदेशक	03	5,0008,000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5,0008,000
4,	अनुदेशक कला/गणित	01	5,000-8,000
<b>5</b> .	सहायक भण्डारी	01	4,000-6,000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	4,000-8,000
7,	मण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2,810-3,540
8.	घपरासी	01	2,550-3,200
9,	चौकीदार	02	2,550-3,200
10.	संच्छकार	01	2,550-3,200
	योग:	14	

<sup>2-</sup>सका पद के घारकों को सक्त पद के बेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-सभय पर प्रस्थापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं अन्य भत्ते खादि भी देख होंगे।

क्र०सं०	व्यवसाय छा नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	फिटर	01	16
2.	विद्युतकार	01	16
3.	बाटा एन्ट्री ऑपरेटर	91	20

3—सक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चें हेतु निम्नितिखित विवरणानुसार रूपये 14,00,000.00 (रूपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-- वजट व्यवस्थां :-- •

		Author Golf Addi a
क्रo संo	मद का नाम	आवश्यक घनराशि
1.	01—वेतन	01
2	03-मंहगाई भत्ता	01
3.	04-वाजा मसा	01
4.	06-अन्य मत्ते	01 337300
5.	08-कार्यातय व्यव	50
6.	09-विद्युत देव	60
7.	10-जलकर/जल प्रसार	01
8.	11-लेखन सामग्री	12
9,	12-कार्यालय फर्नीचर/सपकरण	01
10.	13-किशया अपशुल्क	01
11.	21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन	10
12.	26-मशीने साज-सज्जा/उपकरण	1200
13.	42—अन्य य्यथ	70
14.	48 महरगाई वेतन	01
	योगः	1400

4- उक्त घनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शतों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंदित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंदन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या कितीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंधन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-ध्यय करते समय स्टोर परचेज रूत्स, डीजीएस एण्ड डी की दर्से एवं शतों, टेन्डर/कोटंशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एनठसीठवीठटीठ के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7—उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005—06 हेतु अनुदान संख्या 16, मुख्य लेखाशीर्षक—2230—श्रम तथा रोजगार, 03—प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003—दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत—00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे हाला जायेगा।

8—यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूओ 06/वि०अनु0—5, दिनांक 02.01.2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

सं0 1613/VIII/63-प्रशि0/2005

प्रेषक.

सोहन साल, अपर सविव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में.

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विमाग

देहरादून : दिनांक 09 जनवरी, 2006 ई0

विषय:- वित्तीय वर्ष 2005-06 में किच्छा, जनपद ऊघमसिंह नगर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद क्रम्यासिंह नमर के किया में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय किया एण्ड स्वीइंग, वैल्डर, कारपेन्टर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनावेश निर्मत होने की विधि अथवा पद को भरे जाने की विधि, जो भी बाव में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बशर्ते की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, किच्छा, जिला ऊघमसिंह नगर हेतु पदों का विवरण

क्र०सं०	पर्दों का नाम	स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या	बेतनमान
4.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6,500-10,500
2.	व्यवसाय अनुदेशक	03	5,000-8,000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्यवन	01	5,000-8,000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	5,000-8,000
6.	सहायक मण्डारी	01	4,000—B,000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	4,000-8,000
7.	भण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2,610-3,540
8.	चपरासी	01	2,550-3,200
9.	चौकीदार	02	2,550-3,200
10.	रवच्छकार	01	2,550-3,200
	योग :	14	

<sup>2-</sup>सक्त पद के घारकों को सक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहमाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देव होंगे।

	91	10	<u> </u>	37 5
	21	10	3205	2 2
	91	0.1	करिया एण्ड स्वीइम	<u> </u>
le11	रु≩ किस्ति हैं	51-72	मीह 14 व्यवस्था	01204
63	(अव्यक्ति क्या	5006 축0 (배달 29, 1927 원	विवस्तव गणर, १६ फरवरी,	[] 1414

00 000 00 11 रिएक नाम-नाएफाठी ताडीजिल्मिनी हुई देख के लाउनक्षिक कुए एएक कोनवालक के लाउनक्ष काक र - है 69क लाउन तिकृषिक विद्वार लाएफपाए कि कि निर्ध किकी छाठ कि शिएलय कि (ह'म स्थान द्वार्ट पिएक)

	F156 \$1143P8A	1/1
30	प्र- <u>श्रीका स्पर्य</u>	12"
1,200	28-मदीने सीय-सज्जा/ वर्षकरण	12,
0 b	म्प्रके <b>साथ</b> ्रामिका <b>थ</b> ाऽ	31
lo.	३2 <b>ाक्रवावा चतडी</b> च्य	10.
10	१८ कावांशव कर्नीचर/जवकरण	16
18	ी.माम <b>मळक</b> −ो	19
10	10-लसकर\लंब वेगार	2
9	08—ावृद्धीय दुव	-9
99	08-कावास्त्र व्यव	19
10	Ala 10-12-90	*
0.4	1174 Religio-1-0	re
10	प्रमुख्याई समा	2.
D4	FP 10	1
आवर्यक धन्सीर्थि	मंद्र का नाम	० १ ०व्य
से प्रिक्त इताह इताह इताह		-: Naypha 5109
_		

: Julia

1400

6-स्केच की जा रही धनराशि का देनांक 31.03 2006 तक पूर्ण उपयोग कर तिया जायेगा।

र अवत व्यय चन्द्र विद्याय वर्ष विद्याय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान सख्या १६ मुख्य लेखाशीभंक-22230 अम तथा शेणगर, ०३ प्रशिक्षण, आयोजनगत, ००३ दरसकारी तथा पर्यवेशको का प्रशिक्षण, ०३-दरसकार प्रशिक्षण योजन्य एवं अधिकान अयोजनगत-०० के अन्तर्गत मुसगरी मानक मदों के नामे उन्तर्ग कार्यगा।

8-यह उपस्था वित्त विस्ता के अशासकीय संख्या बुजो ०१/विध्वमु0-5, दिनाक ६६ ०१.१००६ के अन्तर्गत प्राप्त वनकी सहमति से जारी किए का रहे हैं।

स0 1614/VIII/84-प्रशिव/2005

ग्रेषक,

सोहन ताल, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

रोवा में.

निदेशक. प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एव सेवादोजन विभाग

देहरादून दिनाक 09 जनवरी, 2008 ई0

विधय - विशोध वर्ष 2005-06 में थौलघार, जिला टिहरी गढ़वाल में रहजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्ता विश्वय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद टिहरी गढ़वल के थौलघार में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय कटिंग एण्ड स्वीइंग, विद्युतकार डाट एन्ट्री ऑपरेटर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुछ 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विद्युतकार शासनादेश निर्मत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि जो भी बाद में हो, से दिनाक 280 ' 2006 तक के लिए बरातें की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जाये, को सृजित किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहधं स्वीकृति प्रदान करते हैं –

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, थौलघार, जिला टिहरी गढ़वाल हेतु पदी का विवरण

इ०सं०	पदीं का नान	स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या	वेसनमान
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	0.1	6,500-10,500
2	व्यवसाय अनुदेशक	03 *	6,000-6,000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5.000-8,000
4.	अन्देशक कला/गणित	01	5,000-8,000
5.	सहायक भण्डारी	01	4,0006,000
6.	वरिन्द्र सहावक	01	4,000-6,000
7.	भण्डार / कार्यशाला परिचर	02	2,810-3,540
В.	चपरासी	01	2,550-3,200
9,	चौकीदार	02	2,550-3,200
10.	(व टककार	01	2 550~3.200
	योग:	14	

<sup>2-</sup> सक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहमाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देव होंगे।

भाग १	्तरायल गजट,	18	फरवरी,	2006	ई०	(माघ	29,	1927	शक	संग्वत)	
						*				- 3	

•			
क्र०स०	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	कटिंग एण्ड स्वीइंग	01	16
2.	विद्युतकार	01	16
3,	ढाटा एन्ट्री ऑपरेटर	01	16

3—जंक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नितिखित विवरणानुसार रूपये 14.00,000.00 (७५४) चौदह लाख मात्र) की घनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं —

भट ध्यवस्थाः :	•	घनराशि हजार रुपयों में
क्षंठ सव	भद का नाम	आवश्यक धनराशि
1.	01∽चेतन	61
2.	03-महमाई मता	01
3.	04-वात्रा भता	01
4.	08-জন্ম দল	01
5.	08-कार्यालय व्यय	50
€.	09-विद्युत देव	50
7.	10-जलकर/जल धमार	<b>5</b> 1
8,	11-लेखन सामग्री	12
9.	12-कार्यातय फर्नीचर/उपकरण	01
10.	13-किराया उपशुस्क	D1
11	21-भात्रवृति/भात्र वेतन	10
12,	26-मशीने साज-सज्जा/उपकरण	1200
13.	42-अन्य स्वय	70
14,	48-मेंहगाई वेतन	01
	योग :	1400

- 4 उन्त घनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शतों के अधीन आपके निवर्तन पर स्तीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आविन सीमा तक हो व्यव सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि घनराशि का आवटम किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने से बजट मैन्अल था वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आवंशों का उल्लाह ने होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व स्टाम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है मिनव्ययता के सम्बन्ध में सगय समय पर जारी शासनावंशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कहाई से सुनिश्चित किया जाये व्यय उन्हीं भदीं में किया जायेग जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 5 व्याय करते रामा स्टोर परचेज रूल्स डीजीएस एण्ड डी की दर्रो एव शतौ, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेंड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसहर ही क्रय किया जायेगा।
  - स्वीकृत की जा रही घनराशि का दिनाक 31 03 2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।
- 7 तका व्यय वाजू विजीय वर्ष 2005—06 हेतु अनुदान संख्या 16, मुख्य लेखाशीर्षक 2230—प्रम तथा रोजगार 03—प्रशिक्षण आयोजनामत 003—दस्तकार्रा तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना एव अधिष्ठान आयोजनागत 00 के अन्तर्गत सुसागत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।
- 8 यह आदेश किल विमाग के अशासकीय सख्या यूओ 01/वि0अनु0-5, विनाक 02 01 2006 के अन्तर्गत प्राप्त चनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

स0 1615/VIII/65-प्रशिव/2005

प्रेषक.

सोहन तरत, अपर सचिव, धत्तराचल शासन्।

सेवा में.

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेदायोजन, उत्तरावस, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विमाम ।

देहरादून : दिनांक 09 प्रनवरी, 2008 ई0

विषय — वित्तीय वर्ष 2005-06 में घौलछीना, जिला अल्भोड़ा में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय.

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद अल्मोड़ा के घौलछीला में राजकीय औंधोगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय आशुलिपि हिन्दी (कम्प्यूटर सहित), किटिंग नेलिंग, विद्ताकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अरधाई पद निम्तलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्मत होने की तिथि अश्वा पद को मरे जाने की विधि जो भी बाद में हो, से दिनाक 28 02 2006 तक के लिए बशर्त की ये पद इसके पूर्व बिमा किसी पूर्व सूचना के समादत न कर दिये जायें, को शृजित कि ये जाने की भी राज्यपाल महोदय सहमं स्वीकृति प्रदान करते हैं

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, धौलछीना, जिला अल्योडा हेतु पदों का विदरण

01504	पदीं का नाम	स्थीकृत किए जाने वाले पदों की राख्या	वंसनमान
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6,500-10,500
2.	व्यवसाय अनुदेशक	03 *	5,000-8,000
9.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5,000-8,000
4,	अनुदेशक कला/गणित	01	5,000~8,000
Б.	सहायक मण्डारी	01	4,000-6,000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	4,000-6,000
7.	मण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2,610~3,540
8.	चपरासी	01	2,5503,200
9.	वौकीदार	02	<b>2,550-3,200</b>
10	स्व स्रकार	01	2,550~3,200
	योग:	14	

<sup>2</sup> उन्त पद के घारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुस्त्य मंत्रवाई एवं अन्य मत्ते आदि भी देव हाँगे।

क्रवसव	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	आशुलिपि हि-दी (कम्प्यूटर सहित)	01	16
2.	कटिंग टेलरिंग	01	16
3,	विद्युतकार	01	16

3- उक्त संस्थान वे अनावर्तक व्ययों एव अधिष्ठान के खर्वे हेतु निम्नाक्षिखित विवरणानुसार रूपथे १४,०० ०००.०० (रूपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं -

जट व्यवस्थो :	•	धनराशि हजार रुपयों में
क्रo संव	मद का नाम	आवश्यक धनराशि
1.	01—वेतन	01
2.	03-मंडगाई मसा	01
3,	04 यात्रा भना	01
4.	08—अन्य भत्ते	01
5.	08-कार्यात्वय य्यव	50
6	09-विद्युत देय	50
7.	10-जलकर/जल प्रभार	01
Ø.	11-लेखन सामग्री	12
9.	12-कार्यालय फर्नीचर/स्पकरण	01
10.	15-किराया चपशुल्क	01
11	21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन	10
12	26-मशीने साज-सज्जा/सपकरण	1200
13.	42 अन्य व्यव	70
14.	48महणाई वेतन	01
	योग :	1400

- 4 उत्तत धनशाहि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शतों के अधीन आपके निवर्तन पर खीकृत की जा रही है कि उवत मद में आवित्त सीमा तक भी व्यय सीमित रखा आये। यहाँ वह भी स्पष्ट किया आता है कि धनशाहि। का आवटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल था वितीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लाधन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वर्ण ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की श्वीकृति ग्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यथ में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कहाई से सुनिश्वित किया जाये। व्यय इन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 5 व्यय करते समय स्टोर परदेज रूत्स, डीजीएस एण्ड ही की दरों एव शतों. टैन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी८टी० के भानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।
  - 6 स्वीकृत की जा रही घनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण चपयोग कर लिया जायेगा।
- गः अस्त व्यय चाल् वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 18, मुख्य लेखाशीर्षक--2230--प्रम तथा ोजगार, 03--प्रशिक्षण, आयोजनागन, 003--दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03--दस्तकार प्रशिक्षण योजना एव अधिष्ठान आयोजनागत 00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।
- 8 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूओ 04/वि०अनु0-5, दिनांक 02 01 2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

स0 1616/VIII/66-प्रशित/2005

प्रेयक,

सोहन जाल, अपर सचिव, अत्तरांचल शासन।

सेवा भें.

िदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उत्तरांचल, हल्हानी।

श्रम एव सेवायोजन विभाग

देहरादून दिनाक 12 जनवरी 2006 ई0

विधय विशीश वर्ष 2005-06 में कांसखेत जिला पौडी गढवाल में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महो दय,

स्पर्शका विषय के सन्दर्ग में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद पौडी गढ़वाल के कासखत में राजकीय और दिक प्रशिक्षण सरधान की स्थापना करते हुए इसके लिए प्रस्तावित तीन ध्यवसार आशुलिपि हिन्दी (कम्प्यूटर सित किटिंग टेलरिंग, विद्युतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिशित विवरणानुसार शासनावेश निर्मत होने की तिथि अथवा पद को घरें जाने की लिथि जो भी बाद भे हो से दिनान 18 02 2008 तक के लिए बशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जाये, को सूचिन किये जाने की श्री राज्यपास महोदय सार्थ स्वीकृति प्रदान करते हैं

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, काराखेत जिला पौडी मदवाल हेतु पदों का विवरण

क्र <b>ा</b>	पदीं का नाम	स्वीकृत किए जाने वाले पदीं की संख्या	वेतनमान
1	कार्यदेशक मेणी-तीन	01	6,500-10,500
2.	व्यवसाय अनुदेशक	03	5,000-8,000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5,000-B,000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	5,0008,000
S.	राहायक मण्डारी	01 ,	4,000-6,000
В.	वरिष्ठ सहायक	01	4,000-6,000
7.	भण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2,610-3,540
в.	चपरासी	01	2,650—3,290
9'.	चौकीदार	02	2,550-3,200
10	स्वन्स्रकार	01	2,550- 3.200
	थोग :	14	

<sup>2</sup> उक्त पद के घारकों को उक्त पद के वेतन के साथ साथ शासन द्वारा समय पर उख्यापित आदेशों के अनुसार अनुसन्य महमाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देव होंगे।

व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
ड्राफ्ट्सबैन सिविल	01	16
कर्टिंग टेलरिंग	01	16
दिद्युतकार	81	16
	ड्राभ्ट्समैन सिविल कटिंग टेलरिंग	ङ्गभ्द्सभैन सिदिल 01 कटिंग दैलरिंग 01

3 उनत संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चे हेतु निम्नतिखित विवरणानुसार रुपये 14.00.000 00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं

ट व्यवस्थाः :		धनराशि हजार रूपयों में
Ø0 ₹10	सद का माम	आवश्यक धनराशि।
1	01- देतन	01
2	03—मंहगाई मत्ता	01
3,	04-वात्रा भत्ता	01
4.	08-अन्य भर्ते	01
5.	0 <del>8</del> —कार्यालय व्यय	50
8.	09—विद्युत देव	50
7.	10-जलकर/जल प्रमार	01
8.	11—लेखन सामग्री	12
9.	12-कार्यालय फर्नीवर/सपकरण	01
10.	13—किराया चपशुल्क	01
11.	21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन	10
12.	26-मशीने साज-सज्जा/उपकरण	1200
13.	42—अप्य ध्यय	70
14.	48-भंडगाई वेसन	01
	योग:	1400

4 - उन्त धनराहि, इस प्रतिबन्ध के साथ एन शतों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उन्ते भद में आविद्त सीमा ता ही व्यय सीमित रखा जाये यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवदन किसी ऐसे व्यय को करने का आधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने से बजट मैनुजल या वित्तीय इस्त- पुस्तिका के विद्यमों या जन्य आदेशों का उल्लागन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की न्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेग। व्यय में मितव्ययता निवान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय सन्ही मदों में किया जायेग जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते सम्य स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों एवं शतौं, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपासन सुनिध्चित किया जायेगा। सपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7-उद्गत व्यय चाल् वितीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान सख्या 16. मुख्य लेखाशीर्षक-2230-प्रम तथा लेजगार, 03-प्रशिक्षण आयोजनागत 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दरतकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत 00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे हाला जायेगा।

8 -यह आदेश दिल विभाग के अशासकीय संख्या युओ 20/वि०अनु०—5. दिनांक 06.01,2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

स0 1618 / VIII / 68-प्रशिं0 / 2005

प्रेषक,

सोहन लाल. अपर सचिव, उत्तराचल शासन।

सेवा में.

निर्देशक, प्रशिक्षण एवं शेवायोजन, सत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विमाग

देहरादून दिनाक 09 जनवरी, 2006 ई0

विषय — किलीय वर्ष 2005-06 में थल जिला पिथौरागढ़ में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय.

अपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद पिथौरागढ़ के धल में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके लिए प्रस्तावित तीन ध्यवसाय आशुलिपे हिन्दी किटिंग टेलरिंग, विद्युत्तक र हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विदरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को घरे जाने की तिथि जो भी बाद में हो, से दिनाक 28 02 2008 तक है लिए बशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्ता न कर दिये जाये, को सृशित किये जाने की औ राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं —

र जकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, थल जिला पिथौरागढ हेतु पदों का दिवरण

क्रवस0	पदों का नाग	स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या	केस-१४ T-व
1.	कार्यदेशक श्रेणी-सीन	01	6,500-10,500
2	व्यवसाय अनुदेशक	03 -	6,000-B,000
3,	अनुदेशक सामाजिक अध्यवन	01	5,000-8,000
4:	अनुदेशक कला/गणित	01	5,000-8,000
S.	सहायक भण्डारी	01	4,000-8,000
6.	वरिष्ठ सहावक	01	4,000-9,000
7.	मण्डार/कार्यशाला परिवर	02	2,610-3,540
e.	चपरासी	01	2,550-3,200
g.	चौकीदार	02	2,550-3,200
10.	स्वाक्कार	01	2.550-1,200
	योग :	14	

<sup>2—</sup> उक्ता 'रद के घारकों को उक्त पद के वेतन के साथ्य साथ शासन द्वारा समय समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य भत्ते खादि भी देव होंगे।

40 1619 VIII \ 22-31210 \ 2005

"全海货

वस्ताद आस्त क्षेपर सिवेद सोहन खाल

सुवा मू

कार्काक

मशिक्षण एवं सेवायोजन,

नमराचल हल्हाचा

िछक ।- विद्यान वर्ष 2005 – 06 में पोखरी, जिला समीती में राजकीय अधिक्षित के सामिक ।- विद्यान के स्थापना करने देश्यक्त हिनाक १८ जनवरी, २००६ ई० माम एवं सेवायोजन विमाग

152

PS[SH

- है रिप्क स्पेर प्रीकृषिर भेड़ार घठांड्रम रूपम्पार कि कि भार इसके पूर्व किया किया पूर्व सम्माय न समाय न कर दिन जाय, को सुर्वता किया किया किया किया किया किया किया कि विसुतकार हेतु न्यूनरम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुमार कुल १६ अरश ् पद निस्निध्यत विवरणानुरुपर इड़िक्प राजाह इड़की मात्रकाळ स्ति इडी।।इए प्रसी कंसड़ पृष्ट किक । नमान्त्र कि सान्त्रांक कार्याद्वीय कार्यावीय प्रकार के प्रस्ति के जिल्ला के कि है यह है अपने एक निकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार के

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पोखरी, जिला चभोली है । पदी का विवरण

	PL	· 1rfts	
2,550 3,200	10	None	101
2,650—3,200	02		
2,650-3,200	10	शृश्कीम	-8
2,610-3,640	20	[ <u>[212]</u>	.8
000'9-000'1		<del>प्रमित्तीय विश्वति । प्रमित्त</del>	.7
000'9-000'p	10	क्षांत्राम् टम्रीम	
	\$0	क्षित्रकम् क्षाउप	g
000,8-000,8	\$0 .	अर्डेट्सक क्लार्यामध्य	T.
000'8-000 9	¢ Q	अनेदराक गानाकाक अध्ययन	-6
5,000-8,000	, <b>£</b> 0	व्यवसाव वार्यदशक	7
0.600-10.500	0.1	न्ति-तीक क्षेत्रक कार्यस्थ	-1
	वाले पदी की संख्या		
मामान्ध्र	स्वीकृत किए वास	स्रोह कि देश	0投04

वे अनुसार अनुमन्त्र महगाई एवं अन्य महे आहे भी देव होगे। े उन्ता पद के झारकों को उनत पद के देतन के साथ-साथ शासन हाया शमय-साथ पर प्रख्यापित आदेशों

स0 1621 / VIII / 05-713- प्रशित / 2004

प्रेषक,

सोहन लाल, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में.

निदेशक, प्रशिक्षण एवं खेवायोजन, उत्तरांचल, हल्द्वानी।

अम एव सेवायोजन विमाग

देहरादून दिनांक 09 जनवरी, 2006 ई0

विशय - विसीय वर्ष 2005-06 में कपकोट, जनपद बागेश्वर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

अपनी ता विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद बागेश्वर के कपकोट में राजकीय आँचोगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय कोया, कटिंग टेलरिंग विद्युतकार हेत् न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नितिक्षित विवरणानुसार शासनावेश निर्मित होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनाक 28 02 2006 तक के लिए बशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिथे जायें को सृजित किये जाने की वी शाययपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:—

राजकीय आँक्षोगिक प्रशिक्षण संस्थान, कपकोट, जिला बागेश्वर हेतु पदों का विवरण

_			3
क्रिं	पदीं का नाम	स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या	वैतथमान
t.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6,500-10,500
2,	व्यवसाय अनुदेशक	03 -	5,000-8,000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्वयन	01	5,009-8,000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	5,000-8,000
5,	सहायक भण्डाची	Of .	4,000-8,000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	4;0006,000
7.	भण्डार/कार्यशाला परिवर	02	2,610-3,540
8.	धपरासी -	01	2,5503,200
8.	<b>चौकीदार</b>	02	2,550-3,200
10.	स्तन्धकार	01	2,550-3 200
	योग:	14	

<sup>2-</sup> उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार जनुभन्य मंहगाई एवं अन्य भते जादि भी देव होंगे।

भाग 1] उत्तरचिल गजट 18 फरवरी, 2006 ईं0 (शह्म 29, 1927 सक सम्बत्)

		- 1927 40 (atrd 52, 192) 41	4 <sup>1</sup> 11*410 77
क्रवसव	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	कोपा	01	
2.	कदिंग देलरिंग		20
3	विद्युतकार	01	16
	140 04114	Q1	16

3-उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एव अधिष्ठान के खर्चे हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की घनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहबं स्वीकृति प्रदान करते हैं

3.0 344101 1-		घनसाँश हजार रुपयों में
क्रॅ0 ₹10	मद का नाम	आवश्यक धनस्त्री
1.	01—वेतन	01
2.	• 03—मंहगाई मत्ता	01
3.	04—याजा महा	01
4.	05—अन्य मरो	01
6.	O8—कार्याल <b>व</b> व्यव	50
6.	00-विधुत देव	50
7	10-जलकर/जल प्रमार	01
8.	११-लेखन सामग्री	12
0.	12-कार्यालय कर्नीचर/संपकरण	01
10.	13-किराया अपशुल्क	01
11,	21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन	10
12.	26—मशौने साज—सज्जा/सपकरण	1200
13.	42—जन्म ध्यय	70
14	48—संहगाई देतन	01
	योग:	1400

4 उक्त घनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त पद में आविन सीमा उन ही व्यय सीमित रखा आये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि घनराशि का आवटन किसी ऐसे ध्यय की करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे ध्यय करने से बजट मैनुअल या विलीय इस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लाघन होता हो। जहाँ ध्यय करने से पूर्व सहाम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो वहाँ ऐसा ध्या सहान अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। ध्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययत्य के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कहाई से सुनिश्चित किया जाये। ध्यय उन्हीं भदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों एव शर्ती टेम्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वीवटी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनाक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर सिया जायेगा।

7 चक्त व्यय वान्यू दितीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 18. मुख्य लेखाशीर्षक-2230-श्रम तथा रोजगार, 03 प्रशिक्षण, आयोजनागत 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एव अधिकान आयोजनाभत-00 के अन्तर्गत सुसगत मागक भदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश वित विमाग के अशासकीय संख्या यूओं 05/वि०अनु0-5, दिनांक 02.01 2006 के अन्तर्गत प्राप्त धनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

सं0 1617 / VIII / 67-प्रशित / 2005

प्रेथक,

सोहन लाल. अपर सचिव, उत्तराचल शासन।

रोवा भें

निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवाबोजन, उत्तरांधल, हल्द्वानी।

अम एवं सेवायोजन विमाग

देहरादून : दिनांक 12 जनवरी, 2006 ई0

विषय विश्वीय वर्ष 2005-08 में कालाडूँगी, जिला नैनीताल में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

खगर का विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद नैनीताल के कालाई में में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय झापत समैन सिविल किटिंग देलिंग, विद्युतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अरहाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्मत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि जो भी बाद में हो, से दिलाक 28 02 2006 तक के लिए बरारों की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जाने को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्थ स्वीकृति प्रदान करते हैं -

राजकीय औदोशिक प्रशिक्षण संस्थान, कालादूँगी, जिला नैनीताल हेतु पदी का विवरण

		·	3
50¥10	पदाँ का नाम	स्वीकृत किए जाने काले पदों की सख्या	वैतनमान
1.	कार्यदेशक श्रेणी-सीन	01	8,500-10,500
2.	व्यवसाव अनुदेशक	03	5,000—B,000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5,000-8,000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	5,000—8,000
Б,	सहायक भण्डारी	01	4,000-8,000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	4,000~6,000
7.	मण्डार/कार्यशाला परिवर	02	2,610-3,540
.3	चंपरासी	01	2,550-3,200
9.	मौकीदार	02	2,550-3,200
10.	स्वच्छकार	01	2,5503,200
	योग:	14	

<sup>2</sup> उन्त पद के घारकों को उक्त पद के वंतन के साथ—साथ शासन द्वारा समय—समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महगाई एवं अन्य मत्ते आदि मी देथ होंगे।

leik)

中内内

अपर समित् सोहन लाल,

वर्गारायल शासना

年 時

कार्ड होनी

प्रमायत, हल्हानी। अशिक्षण एवं सेवायोजन,

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

विषय :- वितीय वर्ष 2005-06 में बिन्ता, जनपद अत्मोड़ा में राजकीय औद्योगिक पशिक्षण संस्थान की स्थापना करं देहराद्न : दिनांक 09 जनवरी, 2006 इं।

फ़्रेडिम

कि कि निक्त किसी एवं तिया किसी एवं समाय व समाय व कर दिये जाये, के पूजित किसे का किसे किस के किस प्रती के केंग अध्यत पद को मरे जाने की तिथि, जो मी बाद में हो, हो दिनाक 28.02.2006 तक के जिल् न्युत्तवम जावश्यकता के जाधार पर मानक के बनुसार कुल 14 अरथाई पर निमालिखित विवरणानुसार शासनावेश जौधोगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन दावसाय कोणा, विद्यतकार, प्लम्बर हेतु जिंकार में गिन्मी के रहमिन्स इपना की है सहते कि निदेश हक के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बिन्ता, जिला अल्मोड़ा हेतु पदों का विवरण

	reDie	न्तार प्रकी तक्षीर प्राथम कि रिय निष्या	मार कि रैंक	0#04
(h	pha)	Iban to the	_a- Anta காச்ச்சுக	1
		10	न्ति-विषे काष्ट्रियक	
009'0	1-009'9		कार्यदेशक व्यक्तिक	2
000,8	-000'9	4 60	अनुदेशक कामानिक अध्ययन	3"
	2*000-	10	अनुदेशक कला/गणित	7
		10		
0000	9-000'9	10	शिक्ष्यम् काशकाः	S
0001	9-000'\$		क्षांडाम क्रिक	.9
000	9000-4	10	अम्प्रीय क्लाडीमक \ प्रारम	12
	£-018,\$	20	विभिन्ने	.8
	2,550–3,	01	<u>भूड़ीकी</u>	16
		20	Мфярь	-0
		10	Month	
200	Z'220-3'		: lefts	
002	'E-000'Z	11 8 100	= lefts	

। किंद्रि एर्ड कि झीए किस के छन देशाई के किस है आने हिए है 2-स्वता पद के घारकों को सकत पर के बेतन के साध-साध शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों

	Aw		FIAFICE	- 6
_	50	1.0	TPTe	4
	प्रशिक्षण स्थान	5 मी के	मिर्म कि विभिन्न	0000年
64	(हे स्टार्स व	5445], 2006 축0 (414 29, 1927 원리	वयहाबस गुजद, 18 प	ft. lette

	न्य हन्यादीस्ति हुई हैक के हास्सीए है।	किछ कोशान्छ के नाम्नेम किछ-	
91.	1.0	No.	7€
91	10	अक्ट्रीक्	130
20	10	lhi@	4

00.000,00, br के प्रामुशाएउनि तक्षीकीन्मी हुई के कि काक्षीक हैंगू कि का कीनात्म के लाखी तक्र-ट - है हिरक लाज शिकृषिर हैडडि लामकार कि कि लाक कि एक कि छोउनम कि (हाम काल इडक्टि हैमरु)

1400	: एर्गड	
10		
1200		.1-1
		LEF
10		12,
10		*1.1
		101
	12-कार्यातस फर्नीयर/चपकरण	16
	किमार नार्क-११	19
0S	10-लक्कर्रवाद	-2
	००-विदेश इस	19
	कार्याचान व्यव	-9
10	₹ 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12	7
10	117P 1FIF-10	18
10		2.
10	1-DE-10	-1
आवश्वक तन्त्र	hile in bh	0B 04
	10 10 50 50 10 11 01 10 10 10 10	10 - केट-10 10 - केट-10 10 - केट-वार्च परा। 10 - केट-वार्च स्था 10 - केट-वार्च स्था 10 - केट-वार्च स्था 11 - केटा-वार्च क्यां स्था 12 - कार्यात्व क्यां स्था 12 - कार्यात्व क्यां स्था 13 - कार्यात्व क्यां स्था 14 - केटा स्थायां स्थायां 15 - कार्यात्व क्यां स्थायां 16 - कार्यात्व क्यां स्थायां 17 - कार्यात्व क्यां स्थायां 18 - कार्याय्व क्यां स्थायां 19 - कार्याय्व क्यां स्थायां 10 - कार्याय्व क्यां स्थायां 10 - कार्याय्व क्यां स्थायां 10 - कार्याय्व क्यां स्थायां 10 - कार्याय्व क्यां स्थायं 10 - कार्याय्व क्यां क्यां स्थायं 10 - कार्याय्व क्यां क्य

क जीता नार्जिक रेड्ड क्षेत्र हम के वि डेड के मुर्गित करना करने परने परने हम के क्षेत्र है के क्षेत्र के का क्षेत्र है के क्षेत्र के का क्षेत्र है के का क्षेत्र है के का क्षेत्र है के का कि विविध्य के का कि विध्य के का कि विविध्य के कि विविध्य के का कि विध्य के कि विध्य के का कि विविध्य के का कि विध्य के कि विध्य के का कि विध्य के कि विध्य कि विध्य के कि विध्य के कि विध्य कि विध्य के कि विध्य कि विध्य कि विध्य के कि विध्य कि विध्य कि विध्य कि विध्य कि विध्य

। क्षित्रक । क्षित्रक क्षेत्रक वर्ष केष्ठ वर्ष वर्ष वर्ष । वर्ष विक्ष वर्ष । वर्ष विक्ष वर्ष । वर्ष विक्ष वर्ष ।

7—ठवत व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005—06 हेतु अनुदान संख्या १६, मुख्य लेखाशीर्षक—2230—सम तथा शोजनार, 03—प्रशिवण, आयोजनागत, 003—दस्तकारों तथा घरवेसकों का प्रशिवण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिकान आयोजनागत—00 के अन्तर्गत सुखंगत सानक में हो हो मि हाला जायेगा। 8-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूओ 08/वि0अनु0-5. दिनांक 02.01.2006 के अन्तर्गत प्राप्त चनकी सहमारी से जारी किए जा रहे हैं।

> मवदीय, सोहन लाल, अपर सचिव।

पी०एस०यू० (आर०ई०) ०७ हिन्दी गजट / ७१-माम १-२००६ (कम्प्यूटर / रीजियो)।

AND A THE RESERVE OF THE PERSON OF THE PERSO



# संरकारी गजट, उत्तरांचल

# उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 18 फरवरी, 2006 ई0 (माघ 29, 1927 शक सम्वत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य-विधियां, आञ्चाएं, विञ्चप्तियां इत्यादि जिनको उत्तरांचल के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विमामों के अध्यक्ष तथा राजस्य परिषद् ने जारी किया

## कृषि निदेशालय, उत्तरांचल, देहरादून

#### कार्यालय-ज्ञाप

04 जनवरी, 2006 ई0

पत्रांक कृ0ि 14520 | क0अभि 0 | संगठन पत्रा 0 | 2005-08-कृषि विभाग, उत्तरांचल के अन्तगत कार्यरत निम्नालिखित किन्छ अनियन्ताओं को शासनादेश संख्या 1661 | 47 का0-4-448 एम | 85, दिनांक 11,03,1991 के प्राविधानों के अनुपालन में उनकी 18 | 14 दर्ष की सेवा पूर्ण करने पर श्रेणी-2 के पद का वेतनभान रुठ 8,000-275-13,500 अनुमन्य कर दिये जाने के फलस्वरूप एतद्दारा राजपत्रित प्रतिष्टा प्रदान की जाती है।

राजपत्रित प्रतिष्ठा प्रदान किये जाने के फलस्वरूप इन कनिष्ठ अभियन्ताओं के देतन में कोई वृद्धि नहीं होगी और न ही उनकी ज्येष्टता प्रमावित होगी।

<b>死</b> 0 <b>代</b> 0	कनिष्ठ अभियन्ता का भाम	कनिष्ठ अभियन्ता के पद पर योगदान की तिथि	16/14 वर्ष की सेवा पर वेतनमान रु० 8,000-275-13,500 स्वीकृति का दिनांक
1	2	3	4
1.	श्री राजेन्द्र कुमार गहलौत	20.01.1982	01.04.2001
2.	श्री केशर सिंह नेगी	20.11.1983	01.04.2001
3,	श्री संजय कुमार अध्वाल	09.11.1984	01.04.2001
4,	श्री दिनेश चन्द्र सुन्दरियाल	23.05.1984	01.04.2001
5.	त्री राघेश्याम शर्मा	05.04.1984	01.04.2001
6.	श्री हरीश चन्द्र भारद्वाज	19.03.1988	01.04.2001
7.	श्री बाल भौरव बिष्ट	15.11.1983	01.04.2001
8.	श्री किशोर कान्त कोटियाल	10.07.1981	D1.04.2001